Crocs lose nests to illegal mining

DC CORRESPONDENT
HYDERABAD

Nov. 15: Illegal sand mining in river beds in the Manjeera wild life sanctuary in Medak district is threatening the survival of the marsh crocodile.

The crocodile lays its eggs in holes in the sand but the sand is fast being depleted by the illegal mining. The crocodiles are migrating to other areas in search of suitable nesting places and the recent floods have only added to the problem.

There are only five forest officials to patrol the sanctuary spread over 20 square kilometres, stretching from the Singur outlet to the Manjeera reservoir — two guards, two wardens and a forest range officer.

The crocodiles lay their eggs in the dry summer season and this is when the illegal sand mining is at its height.

Says an official of the wildlife wing of the AP Forest department: “During the summer there is heavy mining going on in the banned area of the wild life sanctuary. There are several villages on both sides of the river. There are only two guards for the entire stretch. Mining by using tractors occurs at night. After the floods, they stopped the mining of sand as the water flow covered the entire bed. But during the last summer there was heavy mining.”

Divisional forest officer of the Manjeera wild life sanctuary, Mr Ramakrishna Rao, also expressed his helplessness in controlling the situation because the sanctuary is not isolated, with villages on both sides, and the staff is inadequate. He says a census is taken every year of the crocodile population.
ग्रेनिटा इंडिया की धमाकेदार लिस्टिंग

मेटाल उद्योग क्षेत्र की कंपनी ग्रेनिटा इंडिया के शेयरों की मंगलवार को शुरुआत हुई। मुंबई राइल्स एक्सचेंज में कंपनी के शेयर 75 पॉसीशन के प्रीमियम पर 218.75 रुपये पर पूर्ववर्ती हुए। कंपनी ने अपने प्राथमिक पब्लिक ऑफर (आईपीओ) के तहत अपने शेयर का इंडिया प्राइस 125 रुपये तल किया था।

लेकिन, निवेशकों को इतने से ही सब नहीं हुआ। लिस्टिंग के तुरंत बाद हुई। पहले खरीदारों के चलते ग्रेनिटा इंडिया के शेयर का भाव 102 पॉसीशन को तेजी से दर्ज हुए 255 रुपये के उधार स्तर पर पहुंच गया।

शाम को बाजार बंद होते समय कंपनी के शेयर का भाव 210.40 रुपये के सतर पर दर्ज किया गया और इसका बाजार पुनर्जीवन 286 करोड़ रुपये पर रहा। कंपनी के शेयर के दौरान कंपनी के शेयरों में 255 रुपये का उधार स्तर और 205 रुपये का निचला स्तर अनुमान।

नेशनल राइल्स एक्सचेंज में भी कंपनी के शेयर 60 पॉसीशन से ज्यादा का प्रीमियम लेते हुए 201.10 रुपये पर पूर्ववर्ती हुए। जनपर ख्वाल इस फॉर्म ने हाल ही में अपने आईपीओ से 45 करोड़ रुपये की राशि जुटाई थी। कंपनी का इंडिया 41.28 गुना समानकाल हुआ था। आईपीओ से जुटाई यह राशि का इतिहास कंपनी जनपर में अविस्तर उद्योग क्षेत्र स्थापित करने और महाराष्ट्र के महाराष्ट्र में नई इकाइयाँ आगे के लिए करेगी।
झारखंड में निवेश करेगा अमेरिका

अमेरिकी काउंसल जनरल राज्य में तलाश रही हैं संभावनाएं

अमेरिकी सरकार झारखंड में निवेश को इतना ध्यान देने लगी है कि इसे बाजार में अवसर मिलता है। इस हिस्से में अमेरिकी काउंसल जनरल बेव पैराड जा रहा है और निवेश की संभावनाओं को तलाश रहा है। बेव ने गोदाम चालक को आर्द्र मुद्रा, उपभोक्ता सुझाव महत्व और मोेन इम दिखाई दिया है।

उन्होंने कहा कि जन व मुद्रा के मुद्रा में मुद्रा के निर्माण की आवश्यकता है। अमेरिका अपने खिलाड़ियों ने विकास की अवधारणा की। केंद्र के खिलाफ विवाद में विवाद में विवाद का उल्लेख किया गया है। विवाद में विवाद को भागीदार, राष्ट्र के फीडबैक के बारे में उल्लेख किया गया है।
BHP'S THREE FAILED DEALS WON'T STOP PURSUIT OF M&A

BHP Billiton Ltd Chief Executive Officer Marius Kloppers won't let three failed investments worth more than $100 billion prevent further takeover attempts. Finding big, buyable targets will be the difficulty. BHP, the world's largest mining company, scrapped a $40-billion hostile cash bid for Potash Corp of Saskatchewan Inc on Monday after the transaction was rejected by Canada. Kloppers' two other failed deals — a bid for Rio Tinto Group and an iron ore venture with that company — were abandoned following competition concerns from regulators.
HINDALCO

CURRENT PRICE: ₹212, TARGET PRICE: ₹201

Another session of heavy selling could push the stock down till around the ₹200-mark. On the upside, it has resistance at ₹216. Keep a stop at ₹215 and go short. Increase the position between ₹209 and ₹211. Book partial profits at ₹205 and reset the stop to ₹207. Clear the position below ₹202.
उद्धव और सात मूल्यांकित करें, जिसके लिए जमीन समिश्रित खरीद कीया गया।

अब वेदांत युवनर्सिटी प्रोजेक्ट पर गिरी गाज

हर बिंदु पर नियमों का उल्लंघन पाया हाई कोर्ट ने अप्लांड रूप से मनोरंजन में प्रेम का काबुल हो गया है, जिसके लिए हाई कोर्ट ने कहा है कि हाई कोर्ट ने अपनी हद से हटाया है।

मुख्य न्यायाधीश बिनी दादा की हिंदी उपलब्धि में नाम लिखे गए थे जिसके अतिरिक्त उनके हाथ के नीचे हुई अदालत के बीते नियमों का लाभ नहीं ली गई।

हाई कोर्ट ने कहा है कि युवनर्सिटी के लिए असुविधाएं वैकल्पिक प्रकार के लाभ का वितरण करना आवश्यक है, उन्होंने कहा कि यह नियमों के अंतर्गत समाधान नहीं है। युवनर्सिटी के प्रकार के लाभ है, जिसके लिए जमीन समिश्रित खरीद कीया गया।

उद्धव और सात मूल्यांकित करें, जिसके लिए जमीन समिश्रित खरीद कीया गया। युवनर्सिटी के प्रकार के लाभ है, जिसके लिए जमीन समिश्रित खरीद कीया गया।

उद्धव और सात मूल्यांकित करें, जिसके लिए जमीन समिश्रित खरीद कीया गया।

उद्धव और सात मूल्यांकित करें, जिसके लिए जमीन समिश्रित खरीद कीया गया।

उद्धव और सात मूल्यांकित करें, जिसके लिए जमीन समिश्रित खरीद कीया गया।
AIA Engineering

RECO PRICE: ₹447 TARGET PRICE: ₹355
AIA Engineering’s (AIA) Q2FY11 revenues grew by 16 per cent year-on-year to ₹254 crore. Fall in margins and realisation (down 5 per cent) on adversely affected the bottomline, which merely grew by 7 per cent to ₹45 crore. Rupee appreciation and volume growth remain a key risk in the long run. The volume growth (23 per cent) was negated by lower realisations. Operating margins contracted by 206 basis points to 24.1 per cent mainly due to higher raw material cost which could not be passed on to the customers completely. Good traction of orders from overseas mining companies remains a key trigger. Pinc’s analysts believe current valuations are stretched beyond fair value.
Downgrade to Sell.

—Pinc Research
Vedanta varsity project illegal: HC

The London-based Vedanta Group got another setback in Orissa on Tuesday when the state High Court declared that the land acquisition notification for the ₹15,000-crore Vedanta University project in Puri district was illegal.

This is the second setback for the group in Orissa after the Union environment ministry recently stalled its alumina refinery expansion project and refused to allow it to mine bauxite in Kalahandi district.

Delivering their order in response to eight public interest petitions, a division bench of the high court comprising chief justice V Gopal Gauda and justice BP Das directed the Orissa government to return the acquired lands to the respective owners.

“This is a historic judgment. Vedanta had acquired fertile land by violating the land acquisition, environment, wildlife and Jagannath Temple acts,” said petitioner and BJP leader Uma Ballabh Rath.

The lawyer for Vedanta University was not available for comment. A Vedanta spokesperson, not wanting to be named, said the group would take appropriate action after going through a copy of the order.

Orissa chief minister Naveen Patnaik said, “We have not received the copy of the judgment yet. When we receive it, we will examine it and decide what is to be done.”

The Anil Agarwal Foundation, promoted by Vedanta Group chairman Anil Agarwal, signed an MoU with Orissa in 2006 to set up a world class university near the Konark-Puri marine drive.

The foundation had earlier proposed to acquire about 20,000 acres but as this met with public resistance, the government allotted Vedanta about 8,000 acres. Of this, 6,500 acres were acquired for the varsity. Petitions were filed in the high court in 2007 challenging the acquisition process. They also questioned the government’s granting of land to the university near eco-sensitive zones along the coast.
लिस्ट होते ही 66 फीसदी चढ़ा ग्रीबिटा इंडिया।

नई दिल्ली। लेख में निर्माता कंपनी ग्रीबिटा इंडिया के शेयर नेगेटिव स्टिक फाउंडेशन में वापसी हेतु शेयर 66.40 अधिक प्रभावमय पर पहले दिन 208 रुपये पर ले लिये गए। हिस्टोरिंग के साथ ही कंपनी के शेयर पहले दिन 205 रुपये में पुनर्जीवित किए गए। कंपनी ने 125 रुपये पर शेयरहेड को ज्यादा जरी किए थे।
बेदांता विश्वविद्यालय के लिए भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया अवैध : कोर्ट

एक्सेल | कटक

औद्योगिक में 15,000 कॉलोइड पाक, के खबर से प्रसारित वेदांत विश्वविद्यालय को मंगलवार को एक बड़ा झटका लगा। जब औद्योगिक उच्च न्यायालय ने एक फैसला सुनाए हैं इस विश्वविद्यालय के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया को गैर-वैधिक ठहराया।

अनिल अग्रवाल फॉर्डजन (एएफ) द्वारा प्रस्तावित विश्वविद्यालय का स्थापना के लिए तैयारियां जोर-शोर से जारी की थी। इस संबंध में एक विषयक भी राज विधानसभा में 31 जुलाई 2009 को प्रस्तुत किया गया था। हालांकि, वेदांत विश्वविद्यालय बिबियो को अभी कामयाब एवं संस्थानों की मंजूरी अभी भी है।

भूमि अधिग्रहण के लिए कार्य सरकार द्वारा ली जाने वाली अधिकृत नहीं थी। गोपालगंज और गोटुपुर जिले में दान की एक खंडहरी ने भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया स्पष्ट कर दी और कंपनी की अधिग्रहण जानकारी उनके मूल स्थानों को लेकर आपके पास नहीं है।

फिर, वेदांत विश्वविद्यालय परिसर के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया का चुनौती देने छोटे जुलाई 2007 से अधिक समय से नहीं है। बाद में अग्रवाल द्वारा ली जाने वाली जानकारी अभी भी है।

परिसर के लिए वृक्षारोपण की जानकारी वेदांत विश्वविद्यालय की अक्षम दंग के फायदे किया गया है।

उद्देश्य, औद्योगिक कार्य सरकार ने कहा कि उच्च न्यायालय के फैसले की "संसीमा" करेगी। औद्योगिक के मुख्याध्यक्ष रामन कृष्ण ने बताया था, "हमें फैसले को प्रति अभी तक नहीं मिला है। हां, हम इस कार्य की समीक्षा करेंगे की वह किस फैसले की भांति है।" विवादास्य के कहने गये हैं कि प्रसारित पत्रिकाओं में कहीं जो है जो वहां से कोई नहीं समझा गया है।
केन्द्रीय एनजी को वेदान्त सोने की मंजूरी आगले साल मिलने की उम्मीद

पीडीसी | राजीव

केन्द्रीय एनजी के अध्यक्ष का हासिल किया कि देश का विश्वक रिकॉर्ड के रूप में प्रतिष्ठित लिंग के लिए उन्हें आमतौर पर सालों और दहाड़े हिन्दी हासिल ने मिलने की उम्मीद है। लेकिन जब तक यह बाबा नहीं चले तक, वह इसके पीछे आते रहे तक, वहाँ गई जिसके पीछे आते रहे हैं। इनके पीछे के लिए अन्य चरित्र रिकॉर्ड ने पहुँची है। इनके पीछे आते रहे जिसके पीछे आते रहे हैं।

इस तौर पर 18 अगस्त की दोपहर के समय विश्वस्तर के रूप में विश्वस्तर में रिकॉर्ड के लिए आमतौर पर सालों और दहाड़े हिन्दी हासिल ने मिलने की उम्मीद है। लेकिन जब तक यह बाबा नहीं चले तक, वह इसके पीछे आते रहे तक, वहाँ गई जिसके पीछे आते रहे हैं। इनके पीछे के लिए अन्य चरित्र रिकॉर्ड ने पहुँची है। इनके पीछे आते रहे जिसके पीछे आते रहे हैं।
Caterpillar buys Bucyrus in $7.6 bn deal

CATERPILLAR, the world’s largest construction and mining equipment maker, moved aggressively to capitalise on demand in emerging markets on Monday with a $7.6 billion buyout of Bucyrus International.

Bucyrus makes surface mining equipment used for coal, copper, iron ore, oil sands and other minerals. With a grinding economic recovery ongoing in the West, global companies like Caterpillar Inc, have driven further into China, India and Brazil, where the appetite for raw materials used in construction and mining are strong.

Caterpillar said last month its third-quarter profit doubled, thanks in large part to growth in those markets.

With the Bucyrus deal, Caterpillar seeks to expand its footprint in countries that are "improving infrastructure, rapidly developing urban areas and industrialising their economies," the firm said. The deal will also significantly expand Caterpillar’s line of mining equipment and double its mining revenue.

The chief executive officers (CEO) of Caterpillar and Bucyrus said mining companies will also benefit from the deal because they’ll be able to purchase much of their equipment and parts from a single supplier with less hassle and lower costs.

"This fits completely into the strategy of our customers," Bucyrus CEO Tim Sullivan said.

Both companies touted the deal at a news conference in South Milwaukee, Wisconsin, where Bucyrus International Inc. is based and near where Caterpillar will set up the headquarters for its mining operations.

"There will not be a close second when these two companies come together," said Sullivan, who plans to stay on at least through the acquisition.

After years of cutting costs, industry experts had been waiting for a major acquisition like the one Caterpillar announced.

"I think Caterpillar is definitely doubling down, not just on emerging markets, but on commodities in general," Morningstar analyst Adam Fleck said. "Caterpillar is suggesting that were in the very early innings of the commodity price rebound."

Specifically, Fleck thinks Caterpillar is focusing on coal, of which China is a massive importer. If approved, the acquisition would double Caterpillar’s mining revenue.

To land Bucyrus, Caterpillar will pay $92 per share, a 32 percent premium to Bucyrus’ closing price on Friday. The deal, which is valued at $8.6 billion including debt, is expected to close in mid-2011.

Shares of Bucyrus jumped 29 per cent Monday to close at $89.80. Caterpillar made drastic cuts during the recession, vowing then that it would be in a better position when the economy rebounded. It cut 37,000 full-time, contract and part-time workers, though it since hired back about 15,000 people.  AP
एसोडैम के समेतन में की गई पीरस्यू को और अधिकार देने की वकालत
‘वेंबांत युनिवर्सिटी के लिए भूमि अधिग्रहण अनुचित’

कटक/भुवनेश्वर। वेंबांत की एक और परिस्थिति को करार देना रुपए है। उद्देश पूर्व न्यायालय ने कोणाको-पुली महीना डाब के तहत निरीक्षित 15,000 केंद्र के खेताब विभाग के लिए भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया को अनुमति दे दिया है। उद्धरण, उद्देश पूर्व सरकार ने कहा कि वह हाइकोर्ट के पूर्वाभास का परिप्रेक्ष्य करेगी जिससे तात्कालिक भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया निरस्त की जाए। भूमि अधिग्रहण के लिए न्याय सरकार द्वारा अधिकृत भूमि को अधिक बढ़ते हुए, युगल न्यायाधीश जी. गोपाल मौखरी और न्यायमूर्ति बी.पी. दस्ती की पीढ़ ने कंपनी को अधिग्रहण की वार जमीन सीटें का निर्देश दिया। प्रस्तावित विद्याविद्यालय परिस्थिति के लिए भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया को पुनर्रेजीत निर्देश दे दिए एक 2007 से अब तक कंपनी की अनुमति में जन्मता या समता व्यक्तित्व फ़ाइल दान की है जिससे कई संबंधित तत्कालिक उपलब्ध एवं दादान की है जिसमें कई ग्राम ग्राम ने भूमि अधिग्रहण कंपनी के उपर नियम अलग ढंग से पालन नहीं किया है।
IBM examines Hindalco’s non-compliance

The government on Tuesday said Indian Bureau of Mines was looking at a case of forfeiture of financial assurance by Hindalco Industries for not complying with norms while closing its operations in the Amarkantak mines in Madhya Pradesh.
Konkola Resources to list in London after $1.1-bn IPO

PRESS TRUST OF INDIA
London, 16 November

Vedanta Resources Group firm Konkola Resources today said it planned to launch an initial public offer to raise at least $1.1 billion, following which the company will be listed on the London Stock Exchange. In a regulatory filing, Vedanta Resources, already listed on the London Stock Exchange, said it sought to include the ordinary shares of Konkola Resources Plc in the official list of the UK Financial Services Authority to permit trading of shares of the company on the FTSE UK Index Series of the London Stock Exchange.

Konkola Resources Plc is the holding company of Konkola Copper Mines (KCM), a leading Zambian integrated copper miner. KCM is a subsidiary of Vedanta Resources Plc, which has an indirect 79.4 per cent holding in the Zambian company. The remaining 20.6 per cent stake in KCM is held by ZCCM Investments Holdings Plc (ZCCM-IH), a Lusaka and Euronext-listed company that is majority owned by the Zambian government.
Adhunik Metaliks' arm starts manganese mining

Kolkata, Nov. 16

Adhunik Metaliks Ltd's wholly owned mining subsidiary Orissa Manganese & Minerals Ltd (OMML) has started mining operation in non-forest area of three of its manganese ore mines namely Tentulidih, Sanpatholi and Kusumpidhi. The company paid the net present value (NPV) for the mines in the last quarter, Adhunik informed the stock exchanges. Adhunik ventured into merchant mining after acquisition of OMML in 2007. Adhunik said that the Central Empowered Committee recently approved the mining operations in Suleipat iron ore mines over non-forest area of about 370 acres (150 hectares). The company also paid the NPV of Rs 26 crore. It is now awaiting the Orissa Government approval for commencement of mining. — Our Bureau
Gold near 2-week low

Reuters
London, Nov. 16

Gold remained near its lowest in nearly two weeks on Tuesday as a stronger dollar kept commodities under pressure, offsetting the lift to bullion from concern over the Irish debt crisis.

Spot gold fell to a session low of $1,355.15 an ounce and recovered to $1,359.90 an ounce by 11:40 GMT, down from $1,360.09 the day before. US gold futures fell 0.7 per cent to $1,358.90 an ounce.

Spot silver was last at $25.45 an ounce, against $25.42 the day before, having risen earlier to a session peak at $25.85.

Platinum fell to $1,664.24 an ounce, down 0.4 per cent on the day. Palladium was down 0.4 per cent at $666.72.

Bullion rate

Mumbai: Silver spot (999 fineness): Rs 40,085;
standard gold (99.5 purity): Rs 20,085; pure gold (99.9 purity): Rs 20,180.

Chennai: Bar silver (a kg):
Rs 39,485; retail silver (a gm):
Rs 42.25; standard gold: Rs 20,160; retail ornament gold (22 carat): Rs 1,875.
Vedanta to list
Zambian arm on LSE

Plans to raise $1.1 b from copper subsidiary listing

Vidya Ram
London, Nov. 16

Vedanta Resources is hoping to raise $1.1 billion from listing its Zambian copper subsidiary on the London Stock Exchange, the firm confirmed on Tuesday.

The company, also listed on the London Stock Exchange, had previously announced that it was looking into a potential listing of Konkola Resources, the holding company of Chingola, Zambia-based KCM in which it holds a 79.4 per cent stake.

The proceeds will be used to fund its capital expenditure programme and repay some loans from, and liabilities to, the company’s shareholders, which include ZCCM Investments, a Euro-Next listed company of the Zambian government.

“We look forward to seeing tremendous growth in the company in the coming years, in what is undoubtedly one of the most attractive commodities and one of the premium destinations for copper production,” Mr Anil Agarwal, chairman of the group, said.

Konkola Resources will also be listed on the Lusaka Stock Exchange.

If the listing takes place this year, it would be the fifth by an Indian-owned company in London in 2010, following the £1.27 billion raised by Essar Energy, £37 million raised by 1-Energizer, £50.2 million by Caparo Energy and £76 million by Skil Ports.

In total, the funds raised by Indian companies in London are larger than by any other country (excluding Britain).

There are currently only two Zambia-focused companies listed in London, both on the smaller AIM exchange: African Eagle Resources and Gemfields.

Over the past few years, KCM has changed hands several times. After being privatised in 2000, Anglo American acquired a majority stake, but withdrew leaving the firm in the hands of ZCCM and other local investors.

Vedanta Resources acquired its majority stake in November 2004, and has conducted an extensive restructuring programme focused on cost cutting.

“Vedanta has done a very good job of turning around this asset,” said Mr Jack Gabb, a metal and mining analyst at Liberum Capital in London.

KCM is targeting to cut C1 integrated cash costs to below $1 within the next four years, and to double production to around 400,000 tonnes a year.

STRONG COPPER
The listing is likely to generate considerable interest given the strength of copper prices, which have risen sharply this year, climbing to an all-time high of $8,966 a tonne on the London Metal Exchange last Thursday.

There are currently only two pure-play copper producers listed in London – Kazakhstan-based Kazakhmys, and Chile’s Antofagasta. “The listing is likely to generate a lot of interest. Anything copper-related will be taken well at the moment,” said Gabb.
Adhunik Metaliks
(Buy)

CMP: Rs 110.45
Target: Rs 147

Adhunik Metaliks reported consolidated PAT of Rs 365 million, in line with our expectation (Rs 343 million). However, on EBITDA level, performance fell short of our expectation due to lower-than-expected earnings at Orissa Manganese and Minerals. Adhunik reported EBITDA of Rs 1.02 billion (PL: Rs 1.12 billion), with growth of 28 per cent YoY.

On the back of Adhunik's continued investments in expanding its presence in merchant mining business along with optimisation of realisations by setting up pelletisation plants, upcoming integrated power plant and attractive valuations, we reiterate our BUY rating on the stock. At CMP, stock trades at P/E of 6.2x and 4.3 FY11E and FY12E respectively while on P/BV, it trades at 1.5x and 1.2x FY11E and FY12E, respectively.
Meet on investment in Indonesia

Kolkata, Nov. 16

Investment opportunities in Indonesia were discussed at a meeting organised here on Tuesday by the Indian Chamber of Commerce. Dr Satish Mishra, Managing Director, Strategic Asia, Indonesia, identified sectors such as mining and metals, coal, power and energy, automobiles, fisheries, tourism, IT and ITeS, higher education and pharma and healthcare where there were immense opportunities for investment. The cost of doing business was low in Indonesia which held out big promises for Indian investors, he added. – Our Bureau
Concerns over China policies hit copper

Reuters

London, Nov. 16

Copper prices fell on Tuesday weighed down by worries top metals user China plans further steps to cool down its overheated economy.

Benchmark copper on the London Metal Exchange traded at $8,530 at 10:55 GMT, down from a close of $8,645 on Monday. LME aluminium stood at $2,363.40.

Nickel which fell to a two-month low on Monday under $22,000, was at $22,152 a tonne, down from $22,350.

Zinc fell another three per cent to $2,262.50 and lead fell to $2,403, from $2,455. Tin sank to $25,300 from $25,900.
उड़ीसा में बेदांता को दूसरा बड़ा झटका

पीआईबी || केंद्र : उड़ीसा कंपनी के एक और प्रोजेक्ट को बड़ा झटका लगा है। उड़ीसा हाई कोर्ट ने बोर्डर-पूरी ग्राम ग्रामिण के पास 15,000 कोटि रूपये में प्रशासित युविकेन्द्र के लिए भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया गंगलकर को दूर कर दी। निजी कंपनी ने भूमि अधिग्रहण के लिए संकट के बौद्धिकिकाजन को फर्कनुस्ती करने के लिए रुपये के किन्नो का निर्देश दिया कि वह आयोग उनकी वापसी की उम्मीद करें। निजी कंपनी के मामले में मामले के मामले में उन्हें व्यवस्था दी गई थी।
दिसंबर के पहले हफ्ते में हिंदुस्तान कंपनी का प्रशासन एफीओ ने लगाया कि इस कंपनी के पहले हफ्ते में ही आएगा।

इस तरह के कारण स्थगन ना रोकें वह इस कंपनी के पहले हफ्ते में हो आएगा।

सुझी है कि एफीओ के कंपनी के पहले हफ्ते में ही आएगा।

सरकार इसका पता चलाने का तय की है। कॉलों के आईपीओ और एपी के एफीओ को निर्देशित की जा सकती है।

एक परिस्थिति अविभक्ति ने इसे किया, "इसमें रूप में कोई बदलाव नहीं आया है। यह इसका पता चला है।" दिसंबर के पहले हफ्ते में हिंदुस्तान कंपनी का एफीओ बाजार में आ सकता है।"
Novelis to raise $4 b to refinance Hindalco’s debt

Nisha Poddar  
ET NOW

NOVELIS, the Canadian subsidiary of the Aditya Birla group, which scripted a turnaround in the just-concluded quarter, will raise funds to refinance the debt on parent Hindalco’s books, as rising global consumer sentiment improves profitability for the aluminum major.

According to people with direct knowledge of the matter, Novelis plans to raise $4 billion (about ₹18,000 crore) to refinance the loans borrowed to fund the acquisition of the Canadian company in 2007. While $3.5 billion would be refinanced by a mix of bonds and long-term loans, about $500 million would be raised as revolving loan for Novelis’ working capital requirements, said the people who were currently negotiating with banks and institutions.

Bank of America-Merryl Lynch, Citi and RBS have been sounded out for the process. Final details of debt refinancing are still being negotiation with more banks expected to join the fray.

A Hindalco spokesperson declined to comment on the issue.

Hindalco had borrowed about ₹982 million for the acquisition as it had extended corporate guarantees for the loan, which would now be transferred to Novelis’ books as part of the refinancing exercise. Novelis currently has a debt of ₹2.5 billion. The Aditya Birla group acquired Novelis through flagship Hindalco in 2007, in a $6 billion transaction that catapulted the Mumbai-based conglomerate into one of the top five aluminium producers of the world.

Novelis’s move to raise funds will de-leverage Hindalco so that the Indian metals major can focus on expansion projects, said the people quoted earlier. Hindalco has undertaken a $5-billion capital expenditure plans that will be completed by early 2013. The Mumbai-based metals company has a debt of ₹6,357 crore and corporate guarantee for ₹980 million for funding Novelis acquisition. Novelis will now take on the burden of the loan.

“This will be positive for Hindalco as it will improve the borrowing ability of the company for its expansion projects,” said Morjal Oswal senior vice president Sanjay Jain.

Novelis has posted a turnaround in the last few quarters and is expected to achieve an EBITDA of over $1 billion in FY11, significantly higher than the peak EBITDA of $560 million achieved by Novelis in the last 10 years. This would also lower Novelis’s borrowing cost. It’s cost of funding is now at 7.5%. In Q2FY11 Novelis posted an adjusted EBITDA of $290 million, up 45% from the same period last year. This Atlanta-based subsidiary of Hindalco which was cash negative in FY09, turned cash positive last fiscal year. It presently has $512 million of cash.

Hindalco’s Haldia smelter expansion from 161,000 tonnes to 213,000 tonnes would be commissioned in Q4FY12, said the company. The Utkal Alumina Refinery, a 1.5-million tonne project in Orissa, is expected to be ready by Q2 of FY12, while the Mahan Aluminium Project in Madhya Pradesh is expected to be ready by Q2 FY12. The Mahan project is a smelter-power plant complex that has a 359,000 tonne aluminium smelter and a 900 MW captive thermal power plant.
Hindustan Copper’s follow-on public offer is on track, says govt

Govt To Cash In On Positive Sentiments For PSU Stocks, To Raise ₹5,000 Cr

The government has decided to keep Hindustan Copper’s follow-on public offer (FPO) on track, dispelling all speculation about a possible postponement of the issue. While offers from Shipping Corporation of India (SCI) and Manganese Ore India (MOIL) are due later this month, doubts had been cast over Hindustan Copper’s issue, widely speculated to open in early December, being postponed to January 2011. However, the government seems strongly in favour of cashing in on the positive sentiment for PSU shares in the wake of the success of the Coal India and Power Grid issues, said people connected with the matter.

“There is no change in our position. The issue is on track. The week beginning December 6, 2010, was being mentioned earlier as the possible timing of the issue,” a top government official told ET, after a meeting. Hindustan Copper chairman Shaleel Ahmed, who is in Delhi to attend the meeting, declined to comment. He is scheduled to participate in a meeting of the company’s publicity planners later on Tuesday.

“Postponement of the Hindustan Copper issue would not have worked in favour of the company. The holiday season and year-end celebrations between the second week of December up to January affect business in most places, including leading financial hubs,” said the government official.

Hindustan Copper has an equity base of ₹472 crore, of which 99.5% is owned by the government. Post disinvestment, government’s stake in Hindustan Copper’s equity will be diluted to the extent of 18%. While the company will retain the amount raised from a fresh issue of 10% equity, the proceeds from the divestment of 10% government stake will go to the exchequer.

Depending on market conditions, the government hopes to raise anywhere between ₹4,000 crore and ₹5,000 crore from the Hindustan Copper issue.

The disinvestment calendar is busy between the later part of November and early December. The Manganese Ore issue is due to hit the market on November 26, followed closely by SCI’s, which is likely around November 28-29.

While MOIL’s initial public offer is slated to raise around ₹1,500 crore, SCI said it has filed a red herring prospectus with the Securities and Exchange Board of India (Sebi) on Monday for its FPO.

SCI’s follow-on offer, in which the government aims to raise about ₹1,300 crore, includes 42.34 million equity shares by the company and an offer for sale of 42.34 million equity shares by the government.
Copper drops on Chinese fear of growth slowdown

MOSCOW: Copper fell in New York and London on concern that China, the world's biggest consumer of the metal, may take further steps to cool economic growth, damping demand for commodities. China is under "pressure" from capital inflows, central bank governor Zhu Xiaochuan told as a state newspaper reported that price controls may be imposed to cool the fastest inflation in two years. The country's benchmark money-market rate on Monday rose to a one-week high. Chinese stocks fell on Tuesday, driving the benchmark index to a one-month low.
Gujarat NRE: Transcending Borders

A. Low-ash metallurgical coke (LAMC) - Met Coke plants
   - Total installed capacity: 1.25 MTPA
   - Khab(Projected), Gajipur - Installed Capacity of 0.50 MTPA
   - Darav, Earmarks - Installed capacity of 0.24 MTPA
   - Earmarks (Green) - Installed capacity of 0.30 MTPA

B. Coal Washery
   - Total installed capacity: 1.7 MTPA
   - Khab, Projected - Installed capacity of 0.75 MTPA
   - Earmarks, Ear - Installed capacity of 0.50 MTPA

C. Steel Plants
   - Bhushan, Gajipur - 0.31 MTPA of rolled and alloy steel products

D. Power
   - Steel - Installed capacity of 87.7 MW

Exports
   - Gujarat NRE putting India firmly on the world map as a Met Coke exporting country

Power Generation: Target - 240 MW of waste heat power
   - Gujarat TBB plans to set up power plants with a projected capacity of 240 MW through waste heat recovery for captive consumption. The energised power plans are being located near the existing facilities of Bhushan, Bhuj and Khab with the 60 MW waste heat recovery power project is under implementation.

Australian Mining Update

- Doubling of production to 0.46 Million Tonnes in Q2 2010 compared to that of 0.26 Million Tonnes in Q2 2009
- NRE Wongawilli Colliery achieved the production target of over 10,000 tonnes in a day on 31st August 2010
- Surplus coking coal after sales to GCNI in India is now being sold to external customers

In future plans in India

- NRE Wongawilli Colliery will have to sell 4 million tonnes per annum in the next 3-4 years

Future plans in India

- Met Coke Production
   - Gujarat NRE is working towards increasing the capacity of new coking production in India to make up to the total production capacity to around 4 million tonnes per annum in the next 3-4 years

Indian Coking Coal Import Scenario

- Surplus coking coal after sales to GCNI in India is now being sold to external customers
- First shipment of prime quality hard coking coal made to a Chinese Steel mill through a Singapore trading house this month
- A low grade development coal was also sold to a Chinese Steel mill through a Japanese trading house earlier this year

Australian NRE Coking Coal Ltd - Expansion is on track

- Doubling of production to 0.46 Million Tonnes in Q2 2010 compared to that of 0.26 Million Tonnes in Q2 2009
- NRE Wongawilli Colliery achieved the production target of over 10,000 tonnes in a day on 31st August 2010
- Surplus coking coal after sales to GCNI in India is now being sold to external customers
- First shipment of prime quality hard coking coal made to a Chinese Steel mill through a Singapore trading house this month
- A low grade development coal was also sold to a Chinese Steel mill through a Japanese trading house earlier this year

Future plans in India

- Met Coke Production
   - Gujarat NRE is working towards increasing the capacity of new coking production in India to make up to the total production capacity to around 4 million tonnes per annum in the next 3-4 years

Indian Coking Coal Import Scenario

- Surplus coking coal after sales to GCNI in India is now being sold to external customers
- First shipment of prime quality hard coking coal made to a Chinese Steel mill through a Singapore trading house this month
- A low grade development coal was also sold to a Chinese Steel mill through a Japanese trading house earlier this year

Future plans in India

- Met Coke Production
   - Gujarat NRE is working towards increasing the capacity of new coking production in India to make up to the total production capacity to around 4 million tonnes per annum in the next 3-4 years

Indian Coking Coal Import Scenario

- Surplus coking coal after sales to GCNI in India is now being sold to external customers
- First shipment of prime quality hard coking coal made to a Chinese Steel mill through a Singapore trading house this month
- A low grade development coal was also sold to a Chinese Steel mill through a Japanese trading house earlier this year

Future plans in India

- Met Coke Production
   - Gujarat NRE is working towards increasing the capacity of new coking production in India to make up to the total production capacity to around 4 million tonnes per annum in the next 3-4 years

Indian Coking Coal Import Scenario

- Surplus coking coal after sales to GCNI in India is now being sold to external customers
- First shipment of prime quality hard coking coal made to a Chinese Steel mill through a Singapore trading house this month
- A low grade development coal was also sold to a Chinese Steel mill through a Japanese trading house earlier this year

Future plans in India

- Met Coke Production
   - Gujarat NRE is working towards increasing the capacity of new coking production in India to make up to the total production capacity to around 4 million tonnes per annum in the next 3-4 years

Indian Coking Coal Import Scenario

- Surplus coking coal after sales to GCNI in India is now being sold to external customers
- First shipment of prime quality hard coking coal made to a Chinese Steel mill through a Singapore trading house this month
- A low grade development coal was also sold to a Chinese Steel mill through a Japanese trading house earlier this year

Future plans in India

- Met Coke Production
   - Gujarat NRE is working towards increasing the capacity of new coking production in India to make up to the total production capacity to around 4 million tonnes per annum in the next 3-4 years

Indian Coking Coal Import Scenario

- Surplus coking coal after sales to GCNI in India is now being sold to external customers
- First shipment of prime quality hard coking coal made to a Chinese Steel mill through a Singapore trading house this month
- A low grade development coal was also sold to a Chinese Steel mill through a Japanese trading house earlier this year

Future plans in India

- Met Coke Production
   - Gujarat NRE is working towards increasing the capacity of new coking production in India to make up to the total production capacity to around 4 million tonnes per annum in the next 3-4 years

Indian Coking Coal Import Scenario

- Surplus coking coal after sales to GCNI in India is now being sold to external customers
- First shipment of prime quality hard coking coal made to a Chinese Steel mill through a Singapore trading house this month
- A low grade development coal was also sold to a Chinese Steel mill through a Japanese trading house earlier this year

Future plans in India

- Met Coke Production
   - Gujarat NRE is working towards increasing the capacity of new coking production in India to make up to the total production capacity to around 4 million tonnes per annum in the next 3-4 years

Indian Coking Coal Import Scenario
Company gives Modi’s aluminium plant offer a miss

SHUBHASHISH
Mumbai, 16 November

Vedanta Resources does not seem interested in setting up an alumina refinery and an aluminium smelter in Gujarat. It has decided against an expression of interest (EoI) as invited by the state-owned Gujarat Mineral Development Corporation (GMDC).

GMDC had invited EoIs for a one-million tonne per year alumina refinery and a half-million tonne aluminium smelter project in the Kutch region. The bauxite requirement of the project is supposed to be fulfilled by GMDC through its own mines. The last day for an EoI was November 11.

Vedanta Aluminium’s Chief Operating Officer, Mukesh Kumar, confirmed it. He told Business Standard over phone that: “We want to concentrate our energies in Orissa and, therefore, have decided not to go to Gujarat for setting up of the plant.”

He said bauxite deposits in Kutch were ‘very limited’ and would not be able to support a plant larger than one million tonne of alumina refinery capacity. “This limits the scope for further expansions.”

Kumar said the same project was offered to Ashapura Minechem a few years ago. An official in the know said, “Ashapura Minechem and GMDC had signed an agreement a few years back for this plant, but it failed to take off. GMDC then offered the project to the Adani group, but no headway was achieved.”

In October, the state government persuaded Vedanta to set up the alumina project and offered a partnership with GMDC. The state also asked GMDC to scrap its project with Ashapura Minechem in favour of Vedanta.

Vedanta, however, sees no possibility of a plant in Gujarat. Kumar said, “We have tied up with GMDC for bauxite supply of 500,000 tonnes and that is about it.”

Vedanta Aluminium is sourcing half of its bauxite requirement from Bharat Aluminium Company’s mines. The rest is sourced from Maharashtra, Chhattisgarh, Jharkhand and Gujarat.
वेदांता विश्वविद्यालय के लिए
भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया रहा

deferred.

प्रस्तावित, विश्वविद्यालय
परिसर के लिए, भूमि अधिग्रहण
शक्ति ने अगस्त में से उपरीत की.

उपरोक्त नीति है कि इससे पहले प्रायोगिक
कोट्स को चुनाव कर दिए हुए 2007 से अब तक एक
परियोजना को परिवारण संबंधी निर्देश
वाचन और इस व्यवसाय वालिकाओं